# राम की सवारी | By Vikram Khatri

चली राम की सवारी चली
संग जनक दुलारी चली
ये अवध के नर नारी
संग प्रजा भी सारी चली

श्री राम धनुषधारी
तेरी लीला है न्यारी
मेरे रघुनन्दन की शोभा
बड़ी ही प्यारी है
सजे ऊँट और हाथी भी
संग घोड़ो की गाडी चली
ये अवध के नर नारी
संग प्रजा भी सारी चली

ऋषि मुनि राम जी का
जयकारा लगाते हैं
ब्रह्मा विष्णु संग नारद
शिव शंख बजाते हैं
चले भरत जी बलकारी
संग चलते हैं बजरंग बली
ये अवध के नर नारी
संग प्रजा भी सारी चली

चले लक्ष्मण जी भी आगे
बजते हैं ढोल बाजे
राजा दशरत जी देखो
सिंहासन पे हैं विराजे
चली राम जी की सेना चली
मची धूम ये गली गली
ये अवध के नर नारी
संग प्रजा भी सारी चली

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-vikram-khatri/